



हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रदान किये उपहार
संवाददाता देहरादून। महानगर कांग्रेस कमेटी देहरादून के अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कैंट विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नम्बर 41 इन्दिरापुरम क्षेत्र के कोरोना महामारी के प्रकोप से बचाव के प्रयासों के लिए आशा कार्यकर्त्रियों तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को उपहार के साथ-साथ सेनेटाइजर, मॉस्क, गलब्स आदि भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लालचन्द शर्मा ने कोरोना वायरस कोविड 19 महामारी के दौर में आशा कार्यकर्त्रियों तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों द्वारा की जा रही जन सेवा लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

श्रम कानून में बदलाव किये जाने के विरोध में धरना
संवाददाता देहरादून। श्रम कानून में बदलाव किये जाने के विरोध में पीपुल्स फोरम उत्तराखंड का धरना 11 वें दिन जारी रहा और फोरम के संयोजक जयकृत कंडवाल अपने घर पर ही धरने पर रहे। उनका कहना है कि जब तक केन्द्र सरकार ने इस बदलाव को वापस नहीं लिया तब तक धरने को जारी रखा जायेगा। वहीं गिरफ्तार किये गये छात्रों को जल्द रिहा करने की मांग की गई। यहां सरस्वती विहार अजबपुर खुर्द स्थित अपने आवास में फोरम के संयोजक जयकृतक कंडवाल श्रम कानून में बदलाव के विरोध में धरने पर रहे।

कोरोना संक्रमण से बचाव को फेस मॉस्क जरूरी
संवाददाता देहरादून। मसूरी विधानसभा के इंदिरानगर गलजवाड़ी में शक्ति स्वयं सहायता समूह द्वारा गोदावरी थापली के सौजन्य से दस हजार मॉस्क बनाये जाएंगे। इस अवसर पर गोदावरी थापली ने कहा है कि कोरोना वायरस कोविड 19 संक्रमण से बचाव के लिए फेस मॉस्क पहनना जरूरी है। यहां जारी एक बयान में समूह की अध्यक्ष संगीत शर्मा ने कहा कि दस हजार मॉस्क तैयार करने की जिम्मेवारी दी गई है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान महिलाओं को मास्क बनाने से काफी आर्थिक मदद मिल रही है।

उत्तरांचल पंजाबी महासभा के पदाधिकारियों ने बांटे मॉस्क
संवाददाता देहरादून। उत्तरांचल पंजाबी महासभा के पदाधिकारियों ने शहर के विभिन्न स्थानों पर हाथ से बनाए सूती कपड़े के मॉस्क आटो रिक्शा चालकों, सब्जी वाले, ठेले वाले व उन राहगीरों को बांटे गये। घंटाघर पर महासभा के पदाधिकारी पहुंचे और उन्होंने हाथ से बनाये हुए सूती कपड़े के मॉस्क आटो रिक्शा चालकों, सब्जी वालों, ठेले वाले तथा उन राहगीरों को बांटे जिनके पास मॉस्क नहीं थे। इस अवसर पर रास्ते में पानी के बंद गिलास व जूस का भी वितरण किया गया।

दून और मसूरी में पारे में उछाल, पर्वतीय क्षेत्र में हो सकती है हल्की बारिश

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ से लेकर मैदान गर्मी से तप रहे हैं। ऐसे में लोगों की मुसीबत बढ़ी हुई है। राहत देने वाली बात यह है कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बारिश हो सकती है। इससे पर्वतीय क्षेत्र के साथ ही मैदानी क्षेत्र के तापमान में गिरावट आ सकती है। दून समेत पूरे उत्तराखंड में पारा तेजी से चढ़ रहा है। शुक्रवार को देहरादून और मसूरी में पारा चढ़ा और भीषण गर्मी का अहसास होने लगा। शनिवार की सुबह से ही गढ़वाल और कुमाऊं के पर्वतीय इलाकों के साथ ही मैदानों में भी धूप निकल गई। इस दौरान उमस से लोग परेशान हैं। हालांकि, पारे की उछाल के बीच पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम करवट बदल सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस दौरान गढ़वाल के उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और कुमाऊं के पिथौरागढ़ जिले में हल्की बारिश के आसार हैं। इससे इन क्षेत्र में लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि राज्य के शेष भाग में मौसम शुष्क रहेगा।

फिलहाल उत्तराखंड में पहाड़ से लेकर मैदान तक मौसम साफ है। चिलचिलाती धूप के बीच गर्म हवा लोगों को बेहाल कर रही है। अधिकांश शहरों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में औसतन दो से तीन डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। देहरादून में अधिकतम तापमान 37.6 रिकार्ड किया, जबकि हरिद्वार में यह 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। वहीं ऊधमसिंह नगर में भी पारा 38.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। प्रदेश में सर्वाधिक गरम शहर रुड़की रहा।

राज्य में जंगलों के धधकने का सिलसिला फिर शुरू

कोरोना संकट

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में जंगलों के धधकने का सिलसिला फिर शुरू हो गया है। चार दिन के वकफे में ही जंगलों में आग की 23 घटनाएं सामने आने से हर किसी की चिंता बढ़ गई है। हालांकि, पिछले वर्षों की तुलना में जंगलों में आग के फैलाव की रफ्तार अभी काफी कम है, मगर जिस हिसाब से मौसम ने करवट बदली और तापमान उछला है, उसने चुनौती बढ़ा दी है। असल में इस बार 15 फरवरी को फायर सीजन शुरू होने के बाद से मौसम निरंतर साथ दे रहा था। नियमित अंतराल में वर्षा-बर्फबारी के कारण जंगलों की आग के लिहाज से सुकून था। विभागीय आंकड़ों को ही देखें तो इस सीजन में 18 मई तक आग की 20 घटनाएं हुई थीं, जो अब 43 हो गई हैं। अब तक के परिदृश्य

जंगलों में आग की 23 घटनाएं सामने आने से बढ़ी चिंता

आने वाले दिनों के लिए चुनौती अधिक

पारिस्थितिकीय पर्यटन से उम्मीद

कोरोना महामारी के कारण आर्थिकी बुरी तरह प्रभावित हुई है और उत्तराखंड भी इससे अछूता नहीं है। इस देखते हुए अब अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का कसरत शुरू हो गई है। इस कड़ी में उत्तराखंड में पारिस्थितिकीय पर्यटन को बढ़ी संभावना के तौर पर देखा जा रहा है। पारिस्थितिकीय पर्यटन में प्रकृति से छेड़छाड़ किए बगैर पर्यटन की गतिविधियां संचालित की जाती हैं। इसमें शारीरिक दूरी के मानकों का ठीक से अनुपालन किया जा सकता है और प्रकृति प्रेमियों की कम संख्या के साथ ही आय भी अधिक प्राप्त की जा सकती है।

को देखें तो आंकड़ा अधिक चौंकाने वाला नहीं है, मगर आने वाले दिनों के लिए चुनौती अधिक बढ़ गई है।

जैवविविधता का संरक्षण जरूरी
नैसर्गिक सौंदर्य से लबरेज उत्तराखंड की जैवविविधता भी बेजोड़ है। आखिर क्या नहीं है यहां। कुदरत ने मुक्त हाथों से नेमते बख्शी हैं। हिमालय रूपी जलस्तंभ यहां है तो गंगा-यमुना का उद्गम भी इसी धरती पर है। 71.05 फीसद वन भूभाग वाला

यह राज्य जड़ी-बूटियों का विपुल भंडार है तो यहां की वन्यजीव विविधता भी अनुपम है।

परिदों की देशभर में पाई जाने वाली आधे से अधिक प्रजातियां यहां मिलती हैं। जल-जंगल-जमीन के बूते उत्तराखंड सालाना तीन लाख करोड़ से ज्यादा की ईको सिस्टम सर्विसेज दे रहा है। बावजूद इसके इस पर्वतीय राज्य में जैवविविधता के सामने पहाड़ जैसी चुनौतियों का अंबार भी है। जैव संसाधनों पर अनियंत्रित दोहन की मार पड़ रही

है तो वन्यजीवों पर शिकारियों-तस्करो के गिद्धदृष्टि गड़ी हुई है। अनियोजित विकास का असर भी यहां की जैवविविधता पर पड़ा है। इसे देखते हुए यहां की समृद्ध जैवविविधता के संरक्षण को हर स्तर पर कदम उठाने होंगे।

बाधियों को मिलेंगे साथी:
उत्तराखंड में कार्बेट टाइगर रिजर्व के बाद राजाजी टाइगर रिजर्व बाघों का दूसरा बड़ा घर है। राजाजी में इनकी संख्या निरंतर बढ़ रही, लेकिन यह चीला, गोहरी रेंजों तक सिमटी हुई है। रिजर्व का धौलखंड-मोतीचूर क्षेत्र का हिस्सा ऐसा है, जहां पिछले सात-आठ वर्षों से दो बाधिन अकेले रह रही हैं। ऐसे में वहां बाघों का कुनबा बढ़ाने के मद्देनजर कार्बेट समेत दूसरे स्थानों से पांच बाघों को लाने की योजना बनी। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण से मंजूरी मिलने के बाद इस दिशा में कवायद हुई। तीन नर और दो मादा बाघ यहां लाने को चिह्नित किए गए।

कोरोना वारियर संजय गुर्जर की पत्नी को सौंपा 10 लाख का चैक

सम्मान राशि

■ कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान सड़क दुर्घटना में 5 मई को हुई थी मृत्यु

देहरादून। संवाददाता

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में कांस्टेबल स्व. संजय गुर्जर की पत्नी को सीएम राहत कोष से 10 लाख रुपये का चेक सौंपा। कोरोना वारियर संजय गुर्जर की अपने कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान सड़क दुर्घटना में 5 मई 2020 को मृत्यु हो गई थी। वे प्रेमनगर थाने में कार्यरत थे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर



कोरोना वारियर्स की जीवन क्षति वारियर्स की मृत्यु होने पर भी परिवारजनों को सीएम राहत कोष से 10 लाख रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्व. संजय

गुर्जर की पत्नी श्रीमती प्रियंका को राज्य सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया।

उन्होंने डीआईजी देहरादून दिए कि कांस्टेबल संजय गुर्जर की पत्नी श्रीमती प्रियंका की पुलिस विभाग में नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द पूर्ण की जाए। संजय गुर्जर की पुत्री अनुष्का तीसरी कक्षा में पढ़ती है।

इस अवसर पर डीआईजी अरुण मोहन जोशी, आईपीएस सुश्री भादाने विशाखा अशोक, एसपी सिटी श्रीमती श्वेता चौबे, सीओ मसूरी नरेंद्र पंत, एसओ प्रेमनगर धर्मेन्द्र रौतेला आदि उपस्थित थे।

मसूरी विधायक गणेश जोशी ने सम्मानित किये कोरोना वारियर्स

संवाददाता देहरादून। दून के राजेन्द्र नगर में आयोजित राशन वितरण एवं सम्मान कार्यक्रम के दौरान मसूरी विधायक गणेश जोशी ने कहा कि गरीब परिवारों को राशन वितरण का काम लगातार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मसूरी विधानसभा क्षेत्र में अब तक 14 हजार से अधिक कच्चे राशन की किट का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने लोगों को 190 किट राशन का वितरण भी किया। इस अवसर पर उन्होंने भाजपा के कोरोना वारियर्स को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर विधायक जोशी ने लाकडाउन अवधि के दौरान जनहित की सेवा में लगे हुए कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लगातार जरूरतमंदों को राशन की किट प्रदान की जायेगी और किसी को भी भूखा नहीं रहने दिया जायेगा लगातार राशन की किट वितरित की जायेगी।

In a Digital World Why
To wait for a Howker

Visit Us at <http://app.page3news.co.in>

Supporting Devices

All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+



Read News
Watch News Channel

Scan This Code



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के. प्रिंटर्स, 74/9, आराधर, देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ.-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादक: प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०-
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं०
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।